CLASS: 12th

Home Science
(Practice paper 3)
अंक योजना- 3 (Marking Scheme)

क्रमांक	**खंड - A** वस्तुनिष्ठ प्रश्न **(Objectives Type Questions)**	अंक
1.	(d) उपरोक्त सभी All of these	1
2.	(a) 1986	1
3.	(d) गलगंड / घेंघा रोग Goitre	1
4.	(d) उपरोक्त सभी All of these	1
5.	(a) आंगनबाड़ी कार्यरत है Aanganwadi is working	1
6.	(b) प्रौद्योगिकी ने Technology	1
7.	मधुमेह Diabetes	1
8.	लाल, नीला, पीला Red, blue and yellow	1
9.	एगमार्क, आई. एस. आई, हॉलमार्क Agmark, ISI, Hallmark	1
10.	चीनी, नमक, तेल, सिरका इत्यादि। Sugar, salt, oil and vinegar etc.	1
11.	फ्रांस को France	1
12.	दूध Milk	1
13.	(a) अभिकथन (A) एवं कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। Assertion (A) and reason(R) both are correct and the reason(R) is the correct explanation of the assertion(A)	1
14.	(a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है Assertion (A) and reason(R) both are correct and the reason(R) is the correct explanation of the assertion(A).	1

Downloaded from cclchapter.com

15.	(a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है Assertion (A) and reason(R) both are correct and the reason(R) is the correct explanation of the assertion(A).	1
	खंड ख (Section B) **Very Short answer question**	
16.	उद्यमियों के लक्षण-: 1. कड़ी मेहनत करने की इच्छा। 2. जरूरी जोखिम उठाने का साहस होना। 3. एक साथ कई कार्यों को करने की योग्यता। 4. योजना बनाने और क्रियान्वन करने का ज्ञान और कौशल। Characteristics of Entrepreneurs: 1. Willingness to work hard. 2. Having the courage to take necessary risks. 3. Ability to multitask. 4. Knowledge and skills in planning and executing.	1 + 1
17.	**S.N.P** - Special Nutrition Program **I.D.D** - Iodine Deficiency Disorder	1+1
18.	होटल बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान होते हैं जो अपने अतिथियों को आवास भोजन तथा विभिन्न प्रकार की सेवाएं, सुविधाएँ प्रदान करते हैं। Hotels are large business establishments that provide accommodation, food and various types of services and facilities to their guests.	2
19.	दो प्राथमिक रंगों को समान मात्रा में मिलाकर बनाए जाने वाले रंग द्वितीयक रंग कहलाते हैं। संतरी, हरा तथा बैंगनी द्वितीयक रंग के उदाहरण है। Colors made by mixing two primary colors in equal amounts are called Secondary colors. Orange, green and purple are examples of secondary colors. OR एफ.पी.ओ अर्थात फ्रूट प्रोडक्ट आर्डर विभिन्न फल एवं सब्जी	1+1

Downloaded from cclchapter.com

	उत्पादों की गुणवत्ता के संदर्भ में वैधानिक न्यूनतम मानकों को निर्धारित करता है। फल तथा सब्जियों के उत्पादों की गुणवत्ता, लेबल, पैकिंग तथा अन्य स्वच्छता संबंधित स्थितियों की मानको के अनुरूप जांच पर खरा उतरने के बाद ही एफ.पी.ओ का मार्क दिया जाता है। एक सजग उपभोक्ता को एफ. पी.ओ. मानक चिह्न देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए। जैम, जैली, जूस, स्क्वैश, अचार, चटनी तथा डिब्बा- बंद संरक्षित खाद्य पदार्थों पर एफ.पी.ओ. का चिन्ह लगाया जाता है। F.P.O (Fruit Product Order) lays down the statutory minimum standards regarding the quality of various fruit and vegetable products. FPO mark is given only after the fruit and vegetable products pass the test as per the standards of quality, label, packing and other hygiene related conditions. A conscious consumer should purchase the things only after seeing the standard mark. FPO mark is given on jams, jellies, juices, squashes, pickles, chutneys and canned preserved foods.	1+1
20..	खाद्य अपमिश्रण अथवा खाद्य मिलावट एक ऐसी प्रक्रिया है। जिसके द्वारा खाद्य पदार्थ के गुण, पोषकता अथवा प्रकृति में परिवर्तन आ जाता है। खाद्य पदार्थ में यह परिवर्तन किसी दूसरे मिलते-जुलते पदार्थ मिलाने अथवा खाद्य पदार्थ में से कोई आवश्यक तत्व निकालने के कारण आता है। उदाहरण के लिए दूध में से मलाई व क्रीम निकालना तथा पानी मिलाना दोनों ही मिलावट के उदाहरण है। Food adulteration is one such process due to which the properties, nutritional value or nature of the food item changes. This change in food occurs due to the addition of any other similar substance or the removal of any essential element from the food. For example, removing cream from milk and adding water are both examples of adulteration.	1+1
21.	भारत स्काउट एंड गाइड- स्काउट एंड गाइड नवयुवकों के लिए एक स्वयंसेवी, गैर सरकारी शैक्षिक आंदोलन है।	2

Downloaded from cclchapter.com

	उद्देश्य-: ● लड़के और लड़कियों में निष्ठा, देशभक्ति और दूसरों के प्रति विचारशील होने की भावना को बढ़ावा देना। ● उनके चरित्र को विकसित करना है। ● यह संतुलित शारीरिक और मानसिक विकास को भी बढ़ावा देता है। ● समाज सेवा की भावना विकसित करता है। **Bharat Scouts and Guides-** Scouts and Guides is a voluntary, non-governmental educational movement for youth. **Objective-:** ● To foster among boys and girls a sense of loyalty, patriotism and consideration for others. ● Their character has to be developed. ● It also promotes balanced physical and mental development. ● Develops a sense of social service. OR फैड्स का तात्पर्य है ऐसे फैशन से है जो बहुत ही कम समय के लिए प्रचलन में आता है और चला जाता है। इस प्रकार के फैशन के डिजाइन इतने प्रभावी नहीं होते कि वह ग्राहकों को लंबे समय तक आकर्षित कर सके। उदाहरण के लिए हॉट पैंटे, बैगी पैंटे और बेमेल बटन। चिरकालिक /क्लासिक फैशन- क्लासिक का तात्पर्य ऐसी शैली से है जो कभी भी पूरी तरह प्रचलन से बाहर नहीं होती या फिर बहुत लंबे समय तक प्रचलन में लगभग बनी रहती है। क्लासिक डिजाइन की सादगी ही उसकी विशेषता होती है जो इसे आसानी से हटने या पुराना नहीं होने देती। उदाहरण के लिए ब्लेजर, जैकेट, सलवार -सूट तथा साड़ी आदि। **Fads** refer to fashion that comes into vogue for a short period of time and goes away. This type of fashion designs are not effective enough to attract customers for a long time. For example, hot pants, baggy pants, and mismatched buttons. **Timeless/Classic Fashion-** Classic refers to a style	1+1

Downloaded from cclchapter.com

	that never completely goes out of fashion or remains almost in fashion for a very long time. The simplicity of the classic design is its specialty which does not allow it to be easily removed or become old. For example, a Blazer, Jacket, Salwar-suit and Saree etc.	
	खंड -ग (Section C) **लघु उतरात्मक प्रश्न** **Short answer type questions**	
22.	सुकार्यिकी का अर्थ है, कार्य तथा कार्य स्थल को सुगम एवं कुशल बनाना। इर्गोनॉमिक्स शब्द दो ग्रीक शब्दों से मिलकर बना है 'Ergon' जिसका अर्थ है - 'काम' तथा 'Nomics" जिसका अर्थ है - 'प्राकृतिक नियम'। इर्गोनॉमिक्स मनुष्य और मशीन का समायोजन है। इर्गोनॉमिक्स के लाभ**-:** 1 चोट एवं दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करता है। 2 कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाता है। 3 कार्य करते समय गलतियां कम होती हैं। 4 उत्पादकता में बढ़ोतरी होती है। 5 दुर्घटना, तनाव एवं खराब स्वास्थ्य के कारण होने वाली अनुपस्थिति को कम करता है। Efficiency or Ergonomics means making work and workplace easy and efficient. The word ergonomics is made up of two Greek words 'Ergon' meaning 'work' and 'Nomics' meaning 'natural law'. Ergonomics is the adjustment of man and machine. **Benefits of Ergonomics:** 1 Reduces the chances of injuries and accidents. 2. Increases the morale of workers. 3. There are less mistakes while working. 4 Productivity increases. 5 Reduces absenteeism due to accidents, stress and ill health.	1 +2
23.	उपभोक्ता अधिकार वे अधिकार होते हैं जिनकी रचना यह सुनिश्चित करने के लिए की गई कि सभी उपभोक्ताओं को	1×3

Downloaded from cclchapter.com

	उचित एवं गुणवत्ता पूर्वक वस्तु और सेवाएं उचित कीमतों पर प्राप्त हो सके। • सूचना का अधिकार • चयन का अधिकार • सुरक्षा संबंधी अधिकार • सुनवाई का अधिकार • क्षतिपूर्ति का अधिकार • शिक्षा संबंधी अधिकार Consumer rights are those rights which were created to ensure that all consumers can get fair and quality goods and services at fair prices. • Right to Information • Right to choose • Right to security • Right to be heard • Right to compensation • Right to education OR	
24.	रासायनिक संकट-: **(Chemical Hazards)** रासायनिक संकट में वे रासायनिक हानिकारक पदार्थ आते हैं जो खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं या जानबूझकर या अनजाने में मिला दिए जाते हैं। इसमें कीटनाशक, रासायनिक अवशेष, विषैली धातुएं, परिरक्षक और अन्य मिलावटी पदार्थ शामिल है। **Chemical Hazards:** Chemical hazards include those chemical harmful substances which are found naturally in foods or are added intentionally or unintentionally. This includes pesticides, chemical residues, toxic metals, preservatives and other adulterants.	1½ + 1½
25.	प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के उद्देश्य **-:** एन.सी.ई.आर.टी में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या-2005 (National Curriculum-2005) की रूपरेखा के अनुसार प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल में शिक्षा के मूल उद्देश्य निम्नलिखित है- 1. बच्चों का समग्र विकास जिससे वह अपनी क्षमता पहचान सके। 2. औपचारिक विद्यालय के लिए तैयारी।	1×3

Downloaded from cclchapter.com

	3. महिलाओं और बच्चों के लिए सहायक सेवाएं प्रदान करना। **Objectives of early childhood care and education -:** According to the outline of National Curriculum-2005 in an article published in NCERT, the basic objectives of education in early childhood care are as follows- 1. Overall development of children so that they can realize their potential. 2. Preparation for formal school. 3. To provide support services for women and children.	
26.	रेड रिबन एक्सप्रेस भारतीय रेलवे द्वारा एड्स एच.आई.वी. जागरूकता अभियान का प्रचारित प्रसारित करने वाली एक ट्रेन है। रेड रिबन एक्सप्रेस एड्स के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए देशव्यापी अभियान था। विशेष रूप से डिजाइन की गई एक रेलगाड़ी 1 वर्ष में 9000 किलोमीटर से अधिक चली और इसने 180 जिले तय किए एवं 43200 गांव में विभिन्न कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप का आयोजन किया। Red Ribbon Express AIDS/HIV by Indian Railways, is a train promoting the awareness campaign. The Red Ribbon Express was a nationwide campaign to create awareness about AIDS. A specially designed train ran more than 9000 kilometers in a year and covered 180 districts and organized various programs and activities in 43200 villages. OR निगमित संप्रेषण स्थानीय और वैश्विक स्तर पर कर्मचारीयों, उपभोक्ताओं, नियोजकों तथा अन्य व्यक्तियों के साथ संप्रेषण का प्रभावी मार्ग है। निगमित संप्रेषण के कार्य-: • यह कर्मचारी साझेदारों तथा ग्राहकों में जानकारी का प्रसार करता है। • यह ब्रांड की संरचना व रखरखाव करता है। • यह कंपनी के ब्रांड को संगठन के अंदर और बाहर दर्शाता है। • साझेदारों के साथ मधुर और अच्छे संबंध बनाए रखने में	3 1+2

Downloaded from cclchapter.com

	मदद करता है। Corporate communication is an effective way to communicate with employees, customers, employers and other people locally and globally. **Functions of corporate communication:** ● This employee disseminates information to partners and customers. ● It creates and maintains the brand. ● It represents the company brand inside and outside the organization. ● Helps in maintaining cordial and good relations with partners.	
27.	राष्ट्रीय युवा नीति 2014 में 13 से 35 वर्ष तक की आयु के व्यक्ति को युवा कहा गया है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2016 तक युवा भारत की कुल जनसंख्या के 40% भाग बन गए थे। इसे दो उप समूहों में बांटा गया है- 13 से 19 वर्ष 'किशोर' तथा 20 से 35 वर्ष 'युवा वर्ग' कहलाता है। युवावस्था को निम्न कारणों से संवेदनशील अवधि माना जाता है- 1. युवाओं के शरीर में होने वाले शारीरिक तथा मानसिक परिवर्तन के साथ तालमेल बैठाने के प्रयासों को सीधा प्रभाव उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है। 2. युवावस्था जीवन की वह अवस्था है जिसमें युवा अपनी आजीविका कमाना, विवाह करके पारिवारिक जीवन आरंभ करने का निर्णय लेता है। 3. निरंतर प्रतिस्पर्धा बढ़ने के कारण अपने आप को साथियों से बेहतर बनाने का दबाव युवाओं में तनाव और परेशानी पैदा करता है। 4. जब युवाओं को उनके परिवार मे उनके अनुसार सहयोग नहीं मिलता है तो कुछ किशोर शराब व नशीली दवाओं का सेवन करते हैं। जिसे नशे की लत कहते हैं। यह भी उनके संवेदनशील होने का कारण है। 5. यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी उचित जानकारी के अभाव में युवाओं को इनसे संबंधित अनेक खतरों का सामना करना पड़ सकता है। 6. किशोरावस्था के दौरान हर किशोर/ किशोरी अपने भविष्य तथा कार्य के संदर्भ में अत्यधिक सोचना शुरू कर देते हैं। ऐसे मे यदि परिस्थितियां उनके अनुरूप न हो तो वह बहुत जल्दी तनावग्रस्त हो जाते हैं।	1×3 1x3

Downloaded from cclchapter.com

	In the National Youth Policy 2014, a person in the age group of 13 to 35 years has been called youth. According to an estimate, by the year 2016, youth had become 40% of the total population of India. It is divided into two sub-groups – 13 to 19 years are called 'teenagers' and 20 to 35 years are called 'youth group'. Puberty is considered a sensitive period for the following reasons- 1. The efforts of youth to keep pace with the physical and mental changes taking place in their bodies have a direct impact on their health. 2. Youth is that stage of life in which the youth decides to earn their livelihood, get married and start a family life. 3. Due to the ever-increasing competition, the pressure to make oneself better than one's peers creates stress and problems among the youth. 4. When youth do not get the support they need from their families, some teens turn to alcohol and drugs. Which is called drug addiction. This is also the reason for their being sensitive. 5. In the absence of proper information related to sexual and reproductive health, youth may have to face many dangers related to these. 6. During adolescence, every teenager starts thinking excessively about his/her future and work. In such a situation, if the circumstances do not suit them, they get stressed very quickly. OR **P.E.M (Protein Energy Malnutrition)-** प्रोटीन और ऊर्जा वाले पदार्थों को कम मात्रा में ग्रहण करने से प्रोटीन- ऊर्जा कुपोषण हो जाता है। बच्चों को प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण से ग्रसित होने का खतरा अधिक होता है। बच्चों में प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण से दो मुख्य रोग होते हैं - 1. क्वाशियोरकर 2. मरास्मस अथवा सूखा रोग। P.E.M (Protein Energy Malnutrition)- Intake of protein and energy rich substances in less quantity leads to	1½ + 1½

Downloaded from cclchapter.com

	protein-energy malnutrition. Children are at higher risk of suffering from protein energy malnutrition. Protein energy malnutrition in children causes two main diseases - 1. Kwashiorkar 2. Marasmus or rickets.	
	खंड घ- (Section D) **Long answer type questions**	
28.	सूक्ष्मपोषकों की कमी (Micronutrient Deficiencies) यदि आहार में ऊर्जा और प्रोटीन की मात्रा कम हो तो, उसमें अन्य पोषक तत्वों विशेषकर सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे कि खनिजों और विटामिनों की मात्रा कम होने की पूरी संभावना होती है। सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से संबंधित कुछ प्रमुख जन स्वास्थ्य समस्याएँ निम्नलिखित है- 1.लौह तत्त्व /आयरन की कमी से अरक्तता **(IDA):** यह विश्व का सबसे अधिक सामान्य पोषण संबंधी विकार है और यह विकसित तथा विकासशील दोनों देशों में व्याप्त है। यदि रक्त में लोहे की कमी हो जाए तो हीमोग्लोबिन का निर्माण नहीं हो पाता जिससे एनीमिया (anaemia) की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (W.H.O.) के अनुसार स्त्रियों व बच्चों के रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 मि०ग्रा० प्रति 100 मिली. होना चाहिए। इस स्तर में अधिक कमी होने पर रक्तक्षीणता के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इस रोग के होने के मुख्य कारण हैं- • किशोरियों में तीव्र वृद्धि की अवस्था व रजःस्राव के कारण। • प्रसव के समय रक्त की क्षति होने के कारण। • दुर्घटना में अत्यधिक रक्त बहने अथवा अधिक रक्तदान के कारण। • पेट में कीड़ों (हुक कृमि) अथवा अतिसार के कारण। अरक्तता/ रक्तक्षीणता के लक्षण (Symptoms of Anaemia): • शारीरिक थकान, थोड़ा काम करने पर सांस फूलना, सिरदर्द, सिर चकराना, रोगी की नजर कमजोरऔर शिथिलता। इसके अतिरिक्त नींद न आना, कम भूख, खाना पचने में परेशानी अथवा जलन की शिकायत रहती है। **2. Vitamin A Deficiency (VAD)-** विटामिन ए की कमी से रात्रि अंधराता रोग हो जाता है, जिसमें रात के समय दिखाई देना कम हो जाता है। विटामिन ए की अत्यधिक कमी होने पर निम्नलिखित प्रभाव होते हैं कंजेक्टिवाइटिस**-** विटामिन ए की अधिक कमी होने पर अश्रु ग्रंथियो के स्राव में	1+2+2

Downloaded from cclchapter.com

कमी आ जाती है। आंख का कॉर्निया सूख जाता है और उसमें संक्रमण होने शुरू हो जाते हैं।

विटॉट बिंदु आंख के कॉर्निया वाले भाग के दोनों और सफेद या भूरे रंग के बिटॉट बिंदु हो जाते हैं

किरैटोमलेशिया- यह आंखों के रोग की अंतिम स्थिति है जिसमें आंखें लाल और सूख जाती हैं जिससे धीरे-धीरे व्यक्ति को दिखाई देना बंद हो जाता है।

Micronutrient Deficiencies: If the amount of energy and protein in the diet is low, there is every possibility that the amount of other nutrients, especially micronutrients such as minerals and vitamins, will be low. Some of the major public health problems related to micronutrient deficiency are as follows-

A. **Iron (Iron Deficiency Anemia (IDA)):** This is the most common nutritional disorder in the world and is prevalent in both developed and developing countries. If there is a deficiency of iron in the blood, hemoglobin cannot be formed, which leads to Anemia. According to the World Health Organization (W.H.O.), the level of hemoglobin in the blood of women and children should be 12 mg per 100 ml. If there is a significant decrease in this level, symptoms of anemia start appearing. The main reasons for the occurrence of this disease are-

- Due to rapid growth phase and menstruation in adolescent girls.
- Due to blood loss during delivery.
- Due to excessive bleeding in accident or excessive blood donation.
- Due to stomach worms (hookworms) or diarrhea.

Symptoms of Anaemia:

Physical fatigue, shortness of breath after doing little work, headache, dizziness, weak eyesight and laxity of the patient. Apart from this, there are complaints of sleeplessness, low appetite, difficulty in digesting food or heartburn.

B.Vitamin A Deficiency (VAD)- Vitamin A deficiency causes night blindness, in which vision is reduced at night. Following are the effects of excessive deficiency of Vitamin A:

Downloaded from cclchapter.com

	Conjunctivitis- Due to excessive deficiency of Vitamin A, the secretion of tear glands decreases. The cornea of the eye dries up and infections start occurring in it. **Bitot Spots -:**become white or brownish Bitot spots on both sides of the cornea. **Keratomalacia –** This is the last stage of eye disease in which the eyes become red and dry due to which the person gradually stops seeing. OR “आहार चिकित्सा, आहारिकी की एक शाखा है जिसमें आहार का प्रयोग चिकित्सा के लिए किया जाता है”। अन्य शब्दों में “आहार चिकित्सा वह पद्धति है, जिसमें रोगानुसार सामान्य आहार में परिवर्तन लाकर रोगी को उसकी पौष्टिक आवश्यकताओं के अनुसार आहार दिया जाता है”। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति मधुमेह से पीड़ित है तो उसे कम ग्लूकोस युक्त आहार देना। आहार चिकित्सा के उद्देश्य **(Objectives of Diet Therapy)**-: 1. रोगी की पसंद-नापसंद को ध्यान में रखकर आहार की सूची तैयार करना। 2. रोगी के वर्तमान आहार में परिवर्तन करके रोग के हालात में सुधार और नियंत्रण लाना। 3. पोषण हीनता की स्थिति में पोषण युक्त आहार निर्धारित करना। 4. रोग के कारण रोगी की पौष्टिक आवश्यकताओं में आए परिवर्तनों को ध्यान में रखना चाहिए। प्राय: पौष्टिक आहार न मिलने के कारण रोगी को ठीक होने में अपेक्षाकृत अधिक समय लगता है। 5. दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक रोगों के कारण होने वाली समस्याओं से रोगी को बचाने के लिए आहार में परिवर्तन लाना। “**Diet therapy** is a branch of dietetics in which diet is used for treatment”. In other words, “diet therapy is a method in which the normal diet is changed as per the disease and the patient is given diet according to his nutritional needs”. For example, if a person is suffering from diabetes then giving him a diet containing less glucose. **Objectives of Diet Therapy:** 1. Preparing the diet list keeping in mind the likes and dislikes of the patient. 2. To improve and control the condition of the disease	2+3 1+4

Downloaded from cclchapter.com

	by changing the current diet of the patient. 3. To prescribe a nutritious diet in case of nutritional deficiency. Changes in the nutritional requirements of the patient due to the disease should be taken into account. Often, due to lack of proper nutrition, the patient takes relatively longer time to recover. 5. Bringing changes in the diet to save the patient from problems caused by long-term and short-term diseases.	
29.	उपभोक्ता की समस्याएं ● कम स्तर की खराब गुणवत्ता वाली वस्तुएं ● मिलावट ● अस्थिर कीमतें ● निर्माता/ विक्रेता द्वारा अपूर्ण या त्रुटि पूर्ण जानकारी देना ● भ्रामक विज्ञापन ● भ्रामक पैकेजिंग ● उपभोक्ता को लुभाने के लिए बिक्री संवर्धन योजनाएं। **Problems of consumers** ● low quality goods ● Adulteration ● volatile prices ● Providing incomplete or inaccurate information by the manufacturer/seller ● misleading advertising ● misleading packaging ● Sales promotion plans to attract consumers. OR किसी इच्छित वस्तु को बनाने के लिए योजना अनुसार व्यवस्था करने को डिजाइन कहते हैं। डिजाइन के पांच तत्व है-: ● रंग ● बनावट ● रेखा ● आकार या रूप ● पैटर्न Making arrangements according to a plan to make a desired object is called design. There are five elements of design: ● Colour	1 x5 1×5

Downloaded from cclchapter.com

	● Texture ● Line ● Shape or form ● Pattern	
30	मुख्यतः आहार के रंग, रूप, आकार व स्वाद में अंतर आने को ही आहार दुषण/ आहार का खराब होना कहते हैं। नमी, प्रकाश, गर्मी व वायु इत्यादि सुक्ष्म जीवाणुओं की बढ़ोतरी में सहायक होते है। खाद्य पदार्थ से खराब होने का तात्पर्य उस स्थिति से जिसमें कोई खाद्य पदार्थ मानव उपभोग के लिए सुरक्षित न हो या उसे खाने से विभिन्न स्वास्थ्य संबंधित समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। खाद्य पदार्थों के खराब होने के मुख्यतः निम्नलिखित कारण होते हैं - 1. भौतिक परिवर्तन 2. रासायनिक परिवर्तन 3. सूक्ष्म जीवों द्वारा a. जीवाणु b. फफूंदी c. खमीर 4. एंजाइम्स की प्रतिक्रिया के कारण 5.कीड़े मकोडों द्वारा Mainly the difference in colour, form, shape and taste of food is called **Food Spoilage**. Moisture, light, heat and air etc. help in the growth of microscopic bacteria. Food spoilage refers to a condition in which a food item is not safe for human consumption or eating it can cause various health-related problems. The main reasons for spoilage of food items are as follows – 1. Physical change 2. Chemical changes 3. By microorganisms a. Bacteria b. Fungus c. Yeast 4. Due to the of enzymes 5. By insects OR वस्त्रों की देखरेख और रखरखाव के दो पहलू हैं–:	1x5 5

Downloaded from cclchapter.com

	• कपड़ों को किसी भी प्रकार की भौतिक क्षति से मुक्त रखना और यदि उसका प्रयोग करते समय कोई क्षति हुई है तो उसमें सुधार करना। • कपड़े से धूल –धब्बे तथा गंदगी को हटाने के लिए विभिन्न विधियों और प्रक्रियाओं के बाद भी कपड़े के रंग रूप और चमक को बनाए रखना एंव उसकी बनावट और विशेषताओं को बनाए रखना। वस्त्रों की देखरेख एवं रखरखाव के लिए प्रयोग में आने वाले विभिन्न उपकरण–: • धुलाई के उपकरण • सूखाने के उपकरण • प्रेस करने के उपकरण There are two aspects to the care and maintenance of textiles: • Keeping clothes free from any kind of physical damage and repairing any damage caused while using them. • Retaining the look and shine of the fabric and maintaining its texture and characteristics even after various methods and processes to remove dust, stains and dirt from the fabric. Various equipment used for care and maintenance of clothes: • Washing equipment • Drying equipment • Pressing equipment	

Downloaded from cclchapter.com